कान्हा - स्पंदन पुष्टि - कान्हा (यशोदा कान्ह)

🌷🙏🌷

Vibrant Pushti

जय श्री कृष्ण

कान्हा

तु क्या है?

तु क्या नहीं है?

तु कौन है?

तु कौनसा नहीं है?

तु क्यूँ है?

तु क्योंकि नहीं है?

तु नहीं है?

तु है?

Vibrant Pushti

कान्हा तुने मेरा सुना

कान्हा तुने हर एक का सुना

कान्हा तुने जन्म धरा

कान्हा तुने मातापिता चुना

कान्हा तुने परिस्थिति चुनी

कान्हा तुने समय चुना

कान्हा तुने स्थली चुनी

Vibrant Pushti
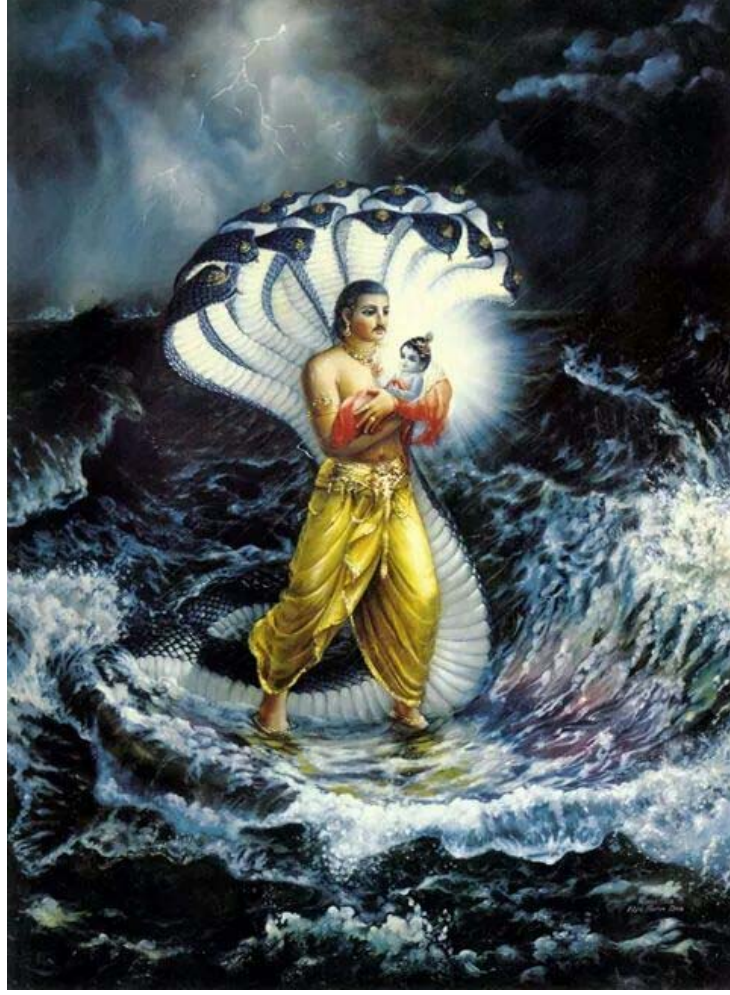
कान्हा तेरे कैसे योग

कान्हा तेरे कैसे वियोग

कान्हा तेरे कैसे जोग

कान्हा तेरे कैसे संजोग

कान्हा तेरे कैसे भाग

कान्हा तेरे कैसे भोग

कान्हा तेरे कैसे राग

कान्हा तेरे कैसे रोग

जो जन्म से तु भागे

जो हर कोई तुझसे जागे

Vibrant Pushti

कान्हा तेरा ब्रह्मांड

कान्हा तेरा गौलोक

कान्हा तेरा गोकुल

कान्हा तेरा नंदगाँव

कान्हा तेरा बरसाना

कान्हा तेरा वृंदावन

कान्हा तेरा मथुरा

कान्हा तेरा व्रज

कान्हा तेरा द्वारका

कान्हा तेरी कौनसी स्थली जो नहीं कहीं हो

जिधर जिधर तु हो उधर उधर गौवर्धन

रज रज से तेरा गौचारण

हर हर में तु नंदनंदन

Vibrant Pushti

हे कान्हा!

हे मधुर सुहाना

हे देवकीनंदन

हे वसुदेवसूतम्

हे कारागृहभंजन

हे मायाबंधन

हे जन्मलीलामृत

Vibrant Pushti

जन्म धरणन

पंचामृत स्नानन

शुद्धम वर्जनन

पवित्र वर्धनम

कान्हा तु मनुष्यम्

कान्हा तु ऋणात्मक

कान्हा तु बंधनम्

कान्हा तु जगतम्

कान्हा तु संबंधम्

कान्हा तु रंगम्

Vibrant Pushti
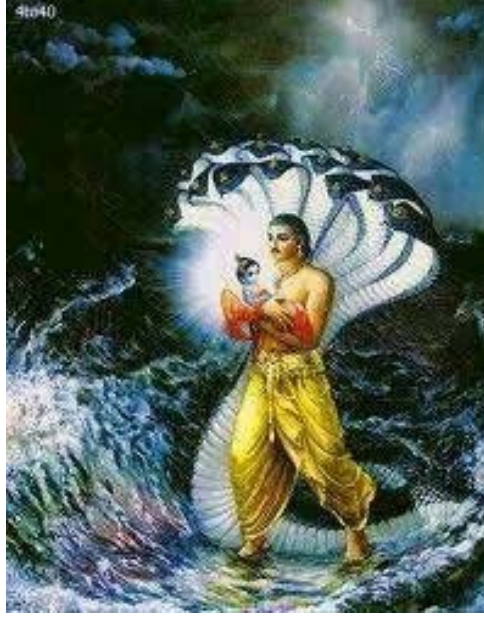
जन्म लीलामयी भागा

मातापिता सानिध्य त्यागा

कारागृह बंधन छोडाया

धर्म संस्थापन डग थामा

अगाध मेघ बरसाया

जलधारा मार्ग छूआया

यमुना पार लगाया

यशोनंद जन्म धराया

माया बंधन सौपाया

कारागृह लीला पूर्णाया

जय जय यशोदा नंदन जय जय नंद नंदन

नंद घेरा नंद भयो जय कन्हैया लालकी

गोकुलमें आनंद भयो जगत नियंता परब्रह्मकी

भक्तके रखपालकी प्रेमके पुरुषार्थकी

सत्यके प्रस्थापनकी माधुर्यके श्रृंगारकी

आनंद उमंग भयो कान्हाके प्रज्ञानकी

Vibrant Pushti

कैसी लीला न्यारी ओ कान्हा

कैसी लीला न्यारी

जन्म से तु बिछ्डे मातापिता

जन्मे से तेरे पराये मातापिता

ऐसे बिछ्डा ऐसे छूटा

आँचल ओढा पराया अंग संवार

कान्हा पराया आँगन द्वार

अपरमपार लीला जीवन की

हाँ कान्हा! अपरमपार

जीवन जीवन सदा भटकना

कान्हा सदा भटकना

हे गोपाल!

Vibrant Pushti

कोमल कोमल चरण तेरे

मधुर मधुर स्पर्श तेरे

बार बार खींचे तेरे चरण

बार बार पुकारे तेरे चरण

न किसिकी नजर लगे

न किसिकी आंच लगे

न किसिकी वृत्ति लगे

न किसिकी कृति लगे

तुझ पर वारी वारी जाऊँ

तुझ पर धागा बंधाऊँ

तुझ पर कडली सजाऊँ

तुझ पर पायल बंधाऊँ

तेरे चरण हंसे मधुर मधुर

तेरे चरण खींचे टगुर टगुर

तेरे चरण कान्हा तेरे चरण

Vibrant Pushti

यशोमैया की गोद में

वात्सल्य के प्रेम में

आंचल की छांव में

अनोखा स्पर्श में

आनंदे यशोदानंदन

स्नेहे गोकुलनंदन

झुमे व्रजभूषण

खेले नंदआंगन

नझरे गोपनंदन

पुकारे गोपिप्रियतम

खींचे प्रेमबंधन

छेडे विरहनंदन

हे आओ मेरे प्रियजन

आओ मेरे प्रितम लीलानंदन

मैं आया तुम्हारे द्‌वार तुममें बसाने प्रेमअगन

तुमसे ही मैं तुम्हारा मुझसे ही तुम मेरे

Vibrant Pushti

जाना मैंने माँ का प्यार

छूया मैंने माँ का दुलार

पीया मैंने अमृत धार

शिखा मैंने कुख संस्कार

प्रेम प्रेम से है संसार

यही प्रखरता है यशोदा मुखार

कान्हा तु आया मेरे द्वार

करने वात्सल्य साकार

ये नैन निहालना

ये अधर अंगना

ये सांस पीना

ये मधुर रस चुसना

ये हस्त थामना

ये देहधाम में समाना

ये दिल में बसना

प्रेम का विरह - विरह का प्रेम - कान्हा! यही है यह धरातल

Vibrant Pushti

कान्हा तु आया मेरे आँचल

मैं बंधु तुझे प्रीत पायल

तु नाचे छम छम

तु मलके रम रम

बस ऐसी बंधी प्रीत तेरे संग

बस तु न जाये कभी मेरे अंग

तु मेरा प्रियतम

मैं तेरी रंग रंगम्

मैं तेरी माता यशोदा दुलारी

तु मेरा कान्हा यही ही जुहारी

Vibrant Pushti

कान्हा तुझे सजाये सोल्हा श्रृंगार

झुलफ़ों में बांधे मयूर पंख

चोटियाँ बांधे मोतीयन माल

कपोल पर तिलक नैनों में काजल

कानों में कुंडल गल वैजयंती माल

बाहों में बाजु बंध कलाई में कंगन

कमर पे कन्दोरों पैरों बंधे पायल

हस्त पर बंसी मुख पर हंसी

कान्हा तेरी यही छबी मेरे मन में बसी

Vibrant Pushti
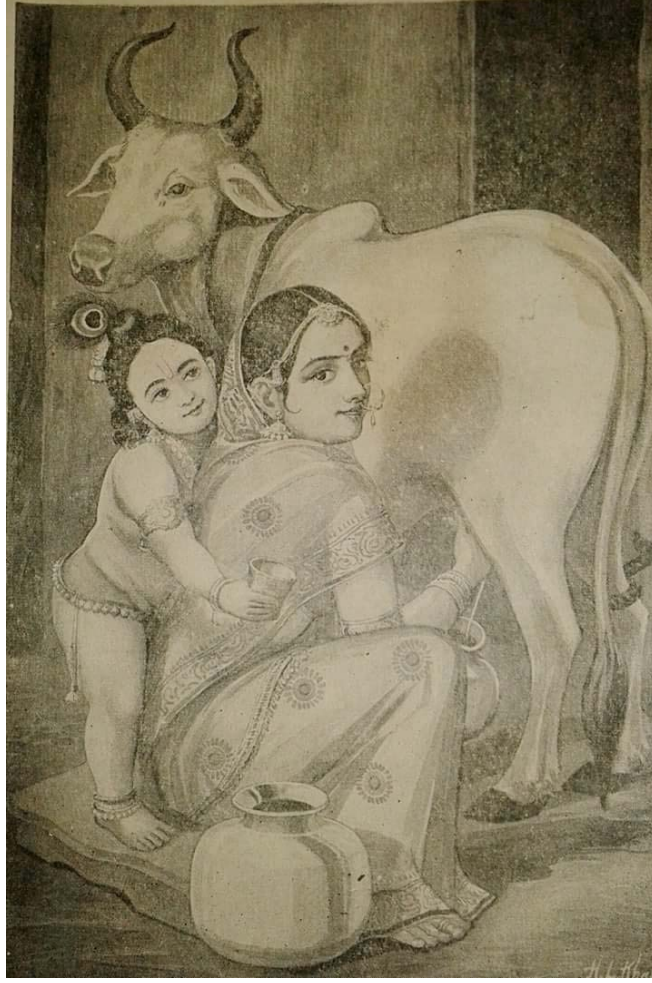
कान्हा मांगे गौ रस रसिया

कान्हा पकडे मेरी बैया

कान्हा पुकारे मैया मैया

कान्हा मांगे गौ रस रसिया

कान्हा गौ गौ इशारे

कान्हा गौ गौ नजारे

कान्हा गौ गौ पुकारे

कान्हा मांगे गौ रस रसिया

Vibrant Pushti

केडे उचकाये मुझे कान्ह मुझमें वात्सल्य जगाये

वात्सल्य जगाये मुझमें उर्मियाँ जगाये

मोहनी सूरत से मेरी मूरत मलकाये

अंग अंग चिपकके मेरा आंतर प्रेम बढ़ाये

हे नटखट कान्हा! हे गोविंदा!

तुझे कैसे कैसे मनमें बसाये

न कोई रीत न कोई भीत

जो तुझसे हमें बिछड़ाये

Vibrant Pushti

कान्हा! हे कान्हा! तेरा जुहार ऐसा तेरा दीदार ऐसा

तेरा बंधन ऐसा तेरा नाता ऐसा

तुझे निकट निकट ही निकट पाये

तुझे हाथों से उचके तुझे बाहों से बांधे

तुझे सर पर बिठाये तुझे गले से लगाये

तु इतना मधुर मधुर मधुर मधुर

ये नैना निरखे टगुर टगुर

ये साँसे सिस्के मधुर मधुर

ये अंग छूए मंज़ूर मंज़ूर

कान्हा! हे कान्हा! कान्हा हे कान्हा!

Vibrant Pushti

तेरे जो नैना मिले

कान्हा जो अपने नैन मिले

तु हो जाएँ मेरा यार

तुझसे हो जावे प्यार

मेरा मन करे एकरार

मैं तेरी माता यशोदा

तु मेरा नंद गोपाल

पल पल निहारू पल पल पुकारु

हे कान्हा गोपाल! हे नंद लाल!

बिन तेरे कुछ न भाये बिन साथ न जीवन जियाये

तु मेरा चित्त चुरैया तु मेरा प्रीत चुरैया

हे गोप गोपाल! हे गोकुल लाल!

Vibrant Pushti

मैं तेरी मैया तु मेरा कान्ह

कितना भी सताये तु है मेरा लाल

हाथ छुड़ाये मैं बांधु नैन डोर से

आँचल छुड़ाये मैं बांधु वात्सल्य छोर से

अंग छुड़ाये मैं बांधु अंतर आतम से

चित्त छुड़ाये मैं बांधु प्रेम तरंग से

कितना भी सताये तु है मेरा लाल

आँगन खेले छुपा छुपी खेले

मन की नजर से कहीं तु न छुपखेले

गोप बाल संग मांखन चोरी खेले

मटकी फोडे मांखन बिखेरे

मैं ही तेरी लीला बूंद बूंद खिलाया

मैं तेरी मैया तु मेरा कान्ह

कितना भी सताये तु है मेरा लाल

Vibrant Pushti

कान्हा! ओ कान्हा! कान्हा! ओ कान्हा!

कान्हा तु है श्याम सलौना

हम है गौर गौर गौरी

कान्हा तु है श्यामल वर्णा

हम है गौर गौर वर्णा

तु कैसे आया हमारे द्वार

कान्हा! ओ कान्हा! कान्हा ओ कान्हा!

हमारी गौएं है रंगबिरंगी

आँचल धार है उजली उजली

हमारी धरती है गौर रंगीली

वन पत्ती है हरी हरी

तु कैसे आया हमारे द्वार

कान्हा! ओ कान्हा! कान्हा! ओ कान्हा!

Vibrant Pushti

आरोगों नंद लाल मेरे मन मंदिर से

आरोगों नंद लाल मेरे आनंद उमंग से

मेरे मन मंदिर से मेरे आनंद उमंग से

मेरे मन मंदिर से मेरे आनंद उमंग से

मन मन विशुद्ध से खीर बनाई

तन तन पवित्र से पूरणपोरी बनाई

मेरे मन तन में वात्सल्य भाव - मैंने खीर बनाई

मेरे तन मन में तर्पण ज्ञान - मैंने पूरणपोरी बनाई

आरोगों नंद लाल मेरे मन मंदिर से

माखन मिसरी कर कमलों से सिंचाई

पूरी कचोड़ी मनभावन से गुंदवाई

शाक करतारी यमुना जल से भूंजाई

मावा मिठाई अंग रंग से बनाई

मेरे अंतरंग में सेवकीय ध्यान - मैंने माखन सिंचाई

मेरे समर्पण में माधुर्य स्त्राव - मैंने मिसरी रसाई

आरोगों नंद लाल मेरे मन मंदिर से

Vibrant Pushti

तेरे खयालों में खोये कान्हा

तेरे ही लीला में खोये

तेरी यादों में खोये कान्हा

तेरे ही अठखेलियाँ में खोये

तेरे ख्वाबों में खोये कान्हा

तेरे ही स्वपनों में खोये

तेरी मधुरता में खोये कान्हा

तेरे ही माधुर्य में खोये

तेरे आनंद में खोये

तेरी ही खुशियों में खोये

Vibrant Pushti

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार प्यार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार इंतजार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार दुलार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार एकरार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार इजहार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार संस्कार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार साक्षर करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार निडर करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार दुस्वार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार बेसुमार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार निहार करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार न्योछावर करती है

कान्हा तेरी ये मैया तुझे प्यार कसूरवार रोकती है

Vibrant Pushti

तु कौन चोरी न किये ओ कान्ह!

तु कौन चोरी न किये

चित्तडु चुराया मन मन चुराया

नजर चुराया नैन नैन चुराई

अधर अमृत चुराया

प्रेम रस रस चुराई

आँचल चीर चूर चूर चुराया

जीवन शुद्ध बुद्ध चुराई

पण प्राण चुराया

प्रेम दिल चुराया

माखन मिसरी चुराया

होश हवाश चुराया

मुझसे मैं चुराया

Vibrant Pushti

नहीं तु चोर नहीं तु चितचोर

नहीं तु माखन चोर नहीं तु चीर चोर

नहीं तु प्रीत चोर नहीं तु प्रेम चोर

नहीं तु आनंद चोर नहीं तु रंग चोर

नहीं तु कष्ट चोर नहीं तु दु:ख चोर

नहीं तु दिल चोर नहीं तु मन चोर

नहीं तु रोग चोर नहीं तु भोग चोर

नहीं तु सांस चोर नहीं तु विश्वास चोर

तु चोर नहीं तो तु क्यूँ चोर?

तु चोर नहीं तो तु क्या चोरे?

तु चोर नहीं तो क्या क्या चुराया?

तु चोर नहीं तो मुझसे क्यूँ बंधाया?

तु ऐसा कैसा चोर है जो तु चोर चोर है?

Vibrant Pushti

तेरी पलक क्यूँ है मूँद सांवरे

तु है मेरा नटखट कान्हा

तु है मेरा जीवन रखवाला

तु है मेरा जीवन उजियारा

कैसे मूँदे तेरे नैन बिन हमारी रैन

हम तेरे दर्शन के प्यासे

तुम बिन कहीं नैन पसारे

घट घट नैन तुम्हें ही ढूंढे

पल पल नैन कभी न पलकें

कैसे मूँदे तेरे नैन बिन हमारी रैन

तेरे रंग में हम रंगाये कान्हा

तेरे संग में हम संगाये कान्हा

तेरे व्यंग में हम व्यंगाये कान्हा

तेरे तरंग में हम तरंगाये कान्हा

कैसे मूँदे तेरे नैन बिन हमारे रैन

Vibrant Pushti

मेरा नन्हा सा दुलारा भैया

तुझे संवारु तुझे सजाऊँ

तुझे जताऊँ तुझे संभालु

तुझसे संसार तुझसे जगत

तुझसे ब्रहमांड तुझसे जीवन

तुझे खिलाऊँ तुझे पिलाऊँ

तुझे पहेनाऊँ तुझे शृंगारु

हे कान्हा! सच तुझसे मैं सिद्धाऊँ

मुझसे छोटा है तु सर्वा

सदा मुझे तेरे साथ ही रहना

तु जग खेवैया मैं तेरा भैया

जहां जहां तु मैं तेरा रखवैया

Vibrant Pushti

कान्हा! कान्हा!

मैंने थाम ली तेरी काया मैंने लुटादी मेरी माया

मन मंदिर में तुझे बिठाया तन पिंजर में तुझे पुरोया

नैन नैन से तुझे सजाया अधर अधर से प्रेम पीलाया

रंग रंग से तुझे रंगाया अंग अंग से तुझे नचाया

नित नाता जोडा मात जाया सदा हुआ यशोदा छैया

अपलक अपलक माधुर्य जीया निहार निहार हो गई धाया

कान्हा! कान्हा!

Vibrant Pushti

नंद का लाला छेल छोगाला

कौन सी नींद में सोया

मैं तुझ विरह मारी नैन कैसे मिलाऊँ

तेरे नैन से मैं खिल खिल जाऊँ

तेरी नजर से मैं मुस्काऊँ

कबतक अपलक लगाऊँ कान्हा

कबतक अपलक लगाऊँ?

तेरे खुले नैन से भोर भए

तेरे मूँदे नैन से शाम भए

तेरे बंध नैन से रात ढले

तेरी नींद से सांस अटके

कबतक तुम बिन जी पाऊँ कान्हा

कबतक तुम बिन जी पाऊँ?

Vibrant Pushti

नन्हें नन्हें कान्हा नन्हें नन्हें नंद लाल

नन्हें से बालकों संग खेले गोप बाल

सिर पर मयूर पंख मुकुट बांधा भाल

गले में पहनी वैजयंती माल

नन्हें नन्हें कान्हा नन्हें नन्हें नंद लाल

एक हस्त बंसरी एक हस्त ढाल

केडे बँधाये अंगरखा लाल

अंग अंग उड़ाए रंग रंग गुलाल

पैर में सजाये छमछम पायल

नन्हें नन्हें कान्हा नन्हें नन्हें नंद लाल

नन्हें बालकों के संग खेले गोप बाल

Vibrant Pushti

तेरे नैन से नैन मिलाऊँ

कान्हा नित नित दर्शन पाऊँ

दिल जोड़ा है ऐसा तुझसे

जो नित नित निकट आऊँ

कान्हा नित नित निकट जगाऊँ

तेरे नैन में बसे मेरा प्रेम

तेरे नैन से बहे मेरा क्षेम

नैन जोड़ा है ऐसा तुझसे

जो बित बित जीवन सुहानु

कान्हा बित बित जीवन सुहानु

Vibrant Pushti

मैया मुझे खाना दे

मैया मुझे भूख लगी है

तेरे प्रेम की टुट लगी है

तेरी नजर की विखुटता पड़ी है

मैया मुझे खाना दे

दधि माखन तु निपटाये

गौ रस सेवा तु निभाये

भोजन सामग्री तु पकवाये

फुरसत नहीं तेरे कान्हा लिए

मैं अकेला दर दर भटकू

बाबा मैया छोड़ा तरसने

मटक मटक अटक अटक

चलू भोजन ढूंढने

बार बार पुकारु मैया मैया

मैया मुझे खाना दे

Vibrant Pushti

मैया मैं कैसा अभागा

तु करे सदा दिन क्रिया

मैं रहूँ दूर अकेला

तु करे माखन कलेवा

मैं खेलू अकेला अकेला

तु दूर सांझ सवेरा

मैया मेरी मैया

तुझसे दूर रहा नहीं जाय

तुझसे बिन जीया नहीं जाय

Vibrant Pushti

मैं यशोदा का बाल

मैं नंद का लाल

मुझे रहना गोकुल ग्वाल

मेरी लीला लाल ताल

मुझसे खेले व्रज बाल

मैं नाचूँ रूमझूम कमाल

मटकी फोड करूँ धमाल

मुझे छेडे गोप गोप अकाल

पुकार पुकार कहें गोपाल

तु ही हमारा आहिर त्रिकाल

जो लुटाये प्रेम विशाल

Vibrant Pushti

कान्हा तु दौडा

कान्हा तु न हाथ आया

कान्हा तु भागा

कान्हा तुने न हम भाया

कान्हा तु छुटा

कान्हा तुने नहीं हमें समाया

कान्हा तु लुटा

कान्हा हमने स्वार्थ प्रेम जगाया

Vibrant Pushti
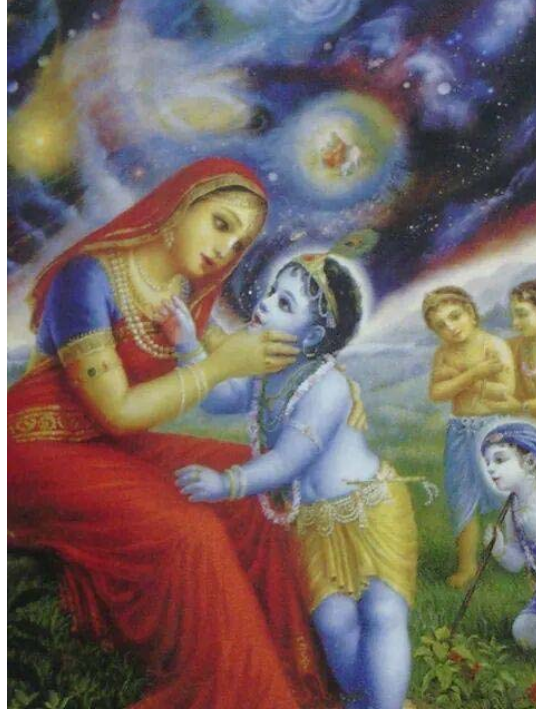
क्या मुखमें गुला कन्हैया

क्या मुखमें गुला?

तु नन्हा सा बालक

ऐसा गुलो जो तुम्हें भाये

ऐसा न गुलो मुखमें

जो तुम्हें जीवन भर जख्माये

मैया! मोरी मैया!

मैं तेरा नन्हा सा साया

कैसे करूँ ऐसी भुलैया?

जो जो तुने खिलाया

वो ही गुला हूं ये मुख्या

देख देख तुने क्या रोज गुलायो?

अरे कन्हैया! ये क्या क्या मुख गुलायो?

तेरे मुखमें सारा ब्रह्मांड दिखायो

Vibrant Pushti
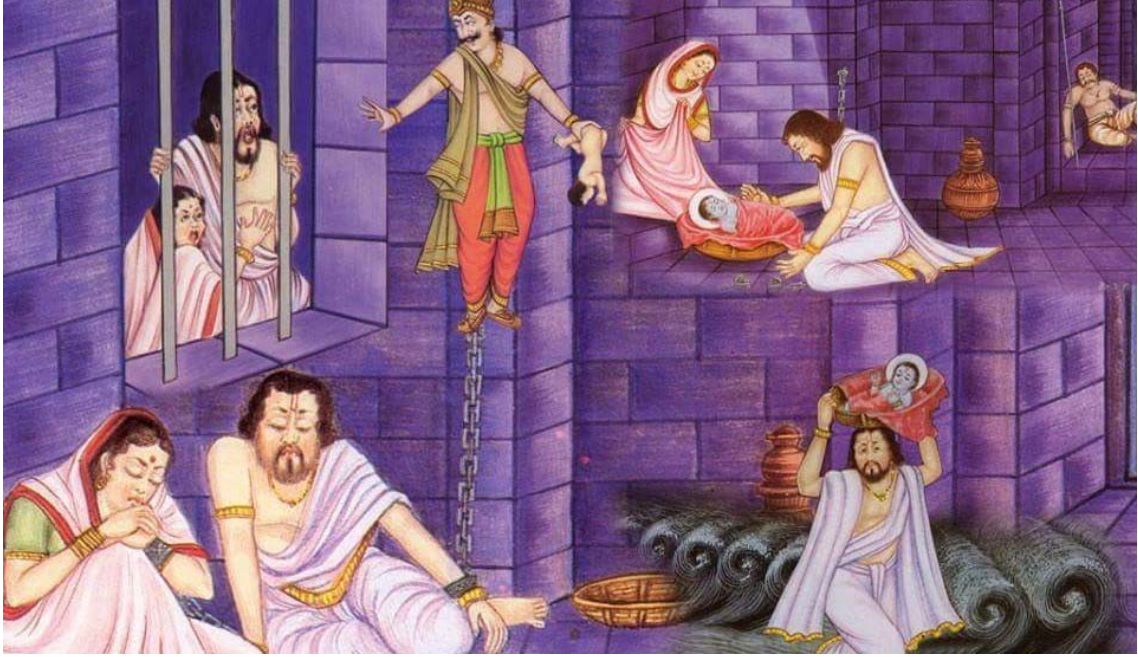
समय समय की बलिहारी

कान्हा तेरी लीला न्यारी न्यारी

जन्म धरा कारागृह में

पल में छूटा पहुंचा गोकुल में

माता प्यारी पिता गौधारी

कैसी लीला रचाई

कान्हा! कैसी लीला रचाई

यमुना उध्धारी मार्ग प्रसराई

निर्भय निर्णय धर्म जगाई

अतुट वचन कहाई

सदा जीवन रक्षा बंधाई

Vibrant Pushti
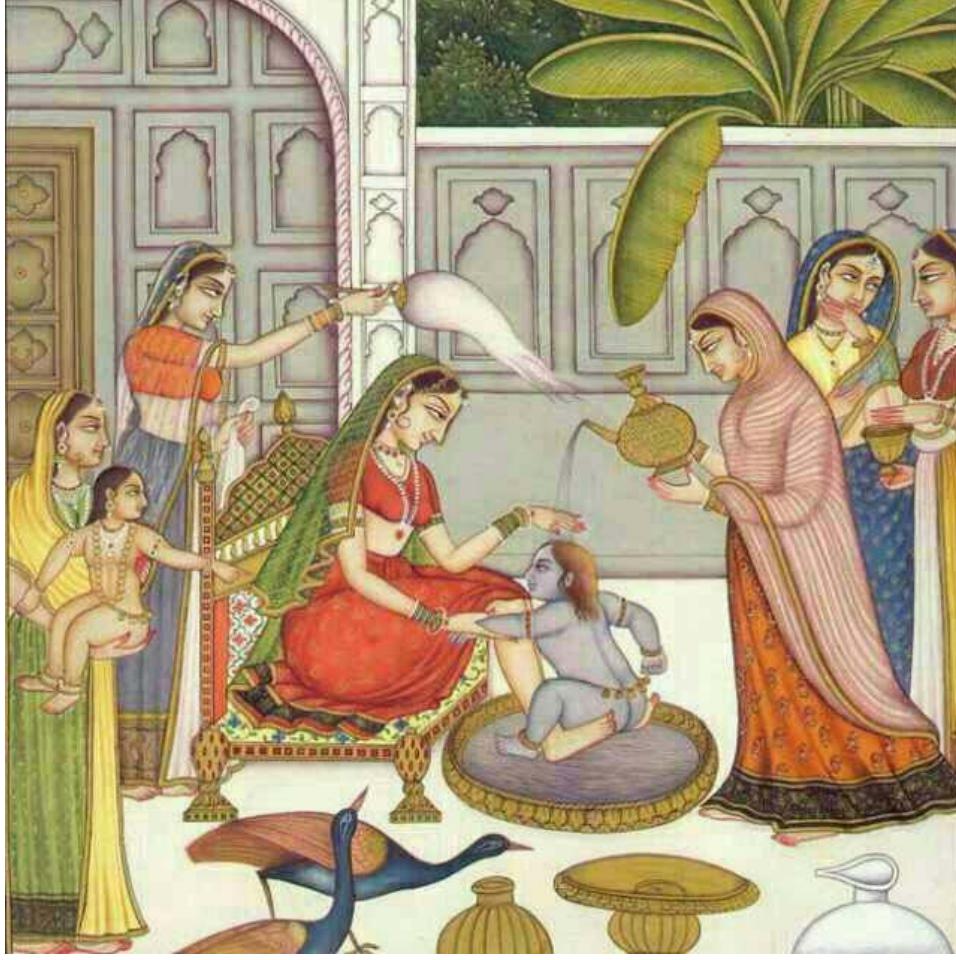
पानि पानि पर बिठाके

हाथ में हाथ पकड

बरसाये ममता जल

टपक टपक बूंद श्याम घटा पर टपके

नैन मुख अधर अंग अंग भीगे

गोप गोपि के मन तरसे

यशोदा मैया का तन थडके

वारी वारी जाऊँ कान्हा

तेरी सूरत पर

तु भीगे मेरे मातृप्रेम से

मैं रंगाऊ तेरे मधुर स्पर्श से

Vibrant Pushti

मोरी मैया! ओ मोरी मैया!

तेरे निकट निकट मेरी नैया

जहां जहां तेरी छाया

वहां तेरा यह नटखट कन्हैया

मेरा तु श्रृंगार सजाये

मेरे लिए भोग बनाये

नित नित खेल खेलाये

आंचल से नींद सुलाये

गीत गाये नांच नचाये

मेरी लीला में सदा मुस्काये

तु मेरी प्यारी मैं तेरा सांवरिया

तुझसे ही है मेरी जीवन लकुटिया

Vibrant Pushti

कान्हा! कान्हा!

तु बंसी बजईया रंग रंग रसिया

तु मेरा लाड़ला कान्हा

हर एक का प्यारा कृष्ण कन्हैया

नटखट लीला हर एक को भाये

मधुर मुरली की तान हर एक को भाये

तु नाचे ता ता थैया लुटे प्रीत लड़ियाँ

तेरे संग हर कोई खेले अटखलियाँ

तु सबका मोहन चोरे हर एक का मन

जहां जहां तु बसे हो जाये निधि वन

कान्हा! कान्हा!

Vibrant Pushti

मेरी गौरी गैया खेलु तुझसे खेल खेलैया

तुझे प्रेम करूँ

तुझे माखन खिलाऊँ

तुझे ले चलु गोवर्धन वन

हे मेरी प्यारी गौचरणियाँ

मेरी काली कमलियाँ सुनाऊँ बंसी बजईया

तुझे स्नान कराऊँ

तुझे श्रृंगार सजाऊँ

तुझे साथ रख्खु सारा जीवन

हे मोरी प्यारी सहचरियाँ

हे मेरी गैया! हे मेरी गैया!

Vibrant Pushti

मैं क्यूँ रोऊँ

मैया मैं क्यूँ रोऊँ

कौन से काम किए मैंने

कौन सी तकलीफ दि मैंने

क्यूँ मुझे कोई डांटे मुझे

क्यूँ मुझसे दूर भागे

कोनसी लीला मैंने की है मैया

जो मुझे नैनन आँसू आवे

मैया नैनन आँसू आवे

मैया कहे - नैनन आँसू जन्म से आवे

नैनन आँसू संबंध से आवे

नैनन आँसू बंधन से आवे

नैनन आँसू जगत से आवे

तुझे जगाना है जगत को

तुझे जगाना है जगत को

जो हर हर के आँसू पौछे

हाँ! लल्ला! हर एक के आँसू पौछ

Vibrant Pushti

मुझे खेलने जाना है

मुझे आँगन खेलने जाना

दाऊ खेले मित्र मंडली खेले

गौएं खेले गोप गोपियाँ खेले

खेले अलबेले खेल

मैया मुझे खेलन खेले कोई

मुझे खेलने जाना है

गेंद फेंक गुल्ली दंडा

दौड़ दौड़ एक मेक पकड़ना

छूप छूप छूपाई छूपाछूपि

धूलि अंग अंग उडाय

मैया मुझे खेलन जाना है

Vibrant Pushti
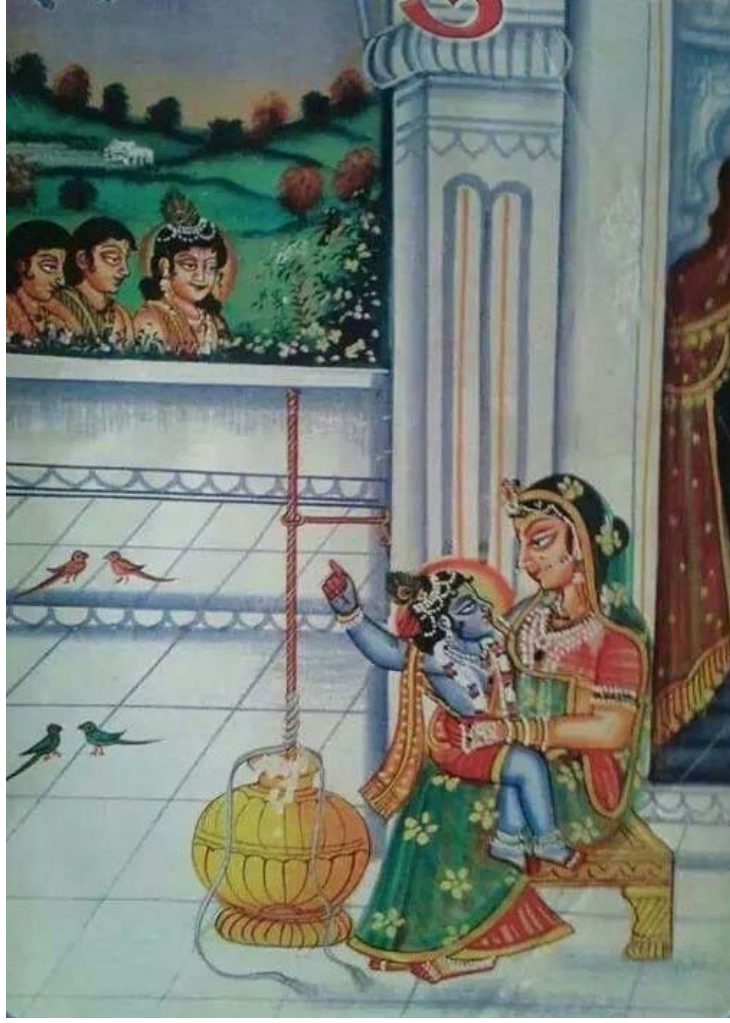
मैया! ओ मैया! मेरी प्यारी मैया

मुझे सब छेडे तु काला तु काला

हम गौर हम गौर हम गौर

तु श्याम हमसे भाम कैसे वाम

हम गौर तुझसे न्यार कैसे विसार

तु नटखट तु अटक भटक लटक

हम सरल विरल कैसे हो तुमसे तरल

मैया! ओ मैया! दाऊ मुझसे बहोत बेरल

मुझे सुध बुध नहीं कैसे खेलु भैया अकेल

मैया तु ही करे टहेल मुझसे खेले सब खेल

Vibrant Pushti

कान्हा! कान्हा! मेरा कान्हा!

तु सो जा बैलन गाडी पास मुझे निपटाना अनेकों काम

तु सो जा बैलन गाडी पास

ठंड ठंड वायु बहत है

कुहूक कुहूक कोयल गावत

तुम्हें सुनाये मधुर नाद

कान्हा! सो जा बैलन गाडी पास

आसपास खेले गोप बालक

ख्याल करे तेरी नींद सलामत

तेरे रक्षक तेरे निरक्षक निकट न आए कोई भक्षक

धूम धड़ाम धूम धा! करर करर कटाक

अरे दौड़ो दौड़ो दौड़ो दौड़ो

कान्हा के बैलन गाडी को कोइने तोडयो

बचाओ कान्हा! नटखट कान्हा!

अरे ये मुस्कायो खेले घुरर खेलैया

बैलन गाडी तोडी राक्षक मार्यो

पैर झपट झपट खूब डार्यों मार्यो राक्षक सवार

मैया देख कैसे खेले तेरो नन्हों सो कुमार

Vibrant Pushti

तु मेरा नन्हा सा गोपाल

तु मेरे नंद का लाल

तु मेरे आँगन का गुलाल

तु मेरे जीवन का त्रिकाल

तु मेरे उमंग का व्हाल

तु मेरे कष्ट की ढाल

तु मेरे उर्मि की चाल

तु मेरे शृंगारों की माल

तु मेरे कदम कदम की भाल

तु मेरे सुख की भरमाल

कान्हा! तु मेरो लड्डु गोपाल

Vibrant Pushti

हे यशोदा! तु सुनले तेरे लल्ला की फरियाद

मेरे बाल ग्वाल सब छोडे ऐसे आबाद

न कोई आये मेरे पास न किसीकी करे दाद

एक तोड़े लटकी मटकी एक छोडे बंसी नाद

ग्वाल बाल खेले उनके साथ मैं भी दौडु पीछे साद

ऐसो नटखट ऐसो छलियों न कोई पकडे इनके पाद

दूर दूर से इशारा करें ऐसा करें नखरे जाद

मैं दौडु पीछे पीछे भागु पीछे पीछे न आये कोई याद

हाथ पकड़ कर कुछ कहे करें ऐसे वाद विवाद

तु मेरी मैं तेरा न कभी करना माता फरियाद

Vibrant Pushti

ओ मोरी माँ क्यूँ मुझे बांधे

ओ मोरी माँ क्यूँ मुझे डांटे

न मैंने कोई मटकी फोड़ी

न कोई की मैंने माखन चोरी

ये ग्वाल बाल सब मेरे पीछे

ये गोप माताएँ मरे पीछे

बार बार कहें तु यशोदा जायो

कहे मुझे तु मेरो जायो

पकड़ पकड़ कर अटक अटक कर

जबरदस्ती कहलावे मैं उनको जायो

अब तु ही कहे मैं किसको परायों

Vibrant Pushti

ये यशोदा को छोरो सबको प्यारो

नंद को लालो सबको दुलारो

मैं होती उनकी जनेता खूब खूब लपटायो

कहेता मैं केवल माँ तेरो जायो

उसके लटकुटिया बाल

उसकी खिली मुख मुस्कान

उसकी अंग मधुर सुवास

मुझे खींचे उनकी पास

हे यशोदा जायो! हो जा हमारो जायो

Vibrant Pushti

आरोगो घनश्याम!

मेरे नैनन से आरोगो

मैंने खीर बनाई

मेरे मन से आरोगो

मैंने माखन बनाया

मेरे अंग से आरोगो

मैंने अंतरंगी बनाई

मेरे धन से आरोगो

मैंने धान्य बनाया

मेरे उल्हास से आरोगो

मैंने उमंगी बनाई

मेरे आनंद से आरोगो

मैंने माधुरी बनाई

Vibrant Pushti

हे कान्हा! तु एक नन्हा सा प्यारा सा

मुझे बार बार तु बुलाये

तेरे मयूर पंख से

तेरी लकुटियाँ झुल्फों से

तेरे भाल तिलक से

तेरे कर्ण कुंडल से

तेरे मधुर मुखडे से

तेरे कोमल अधर से

तेरी मोतीयन वैजयंती से

तेरे कजरारे नैन से

तेरे श्याम रंग से

तेरे प्रेम तरंग से

Vibrant Pushti

कान्हा - स्पंदन पुष्टि - कान्हा (यशोदा कान्ह)

Inspiration of vibration creating by experience of

life, environment, real situation and fundamental elements

"Vibrant Pushti"

53, Subhash Park, Sangam Char Rasta

Harni Road, City: Vadodara - 390006

State: Gujarat, Country: India

Email: vibrantpushti@gmail.com

" जय श्री कृष्ण "